



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—वर्ष 3—पांचवां (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)
प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 76] नई विल्हेमी, शुक्रवार, फरवरी 24, 1995/फाल्गुन 5, 1916

No. 76] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 24, 1995/PHALGUNA 5, 1916

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(प्रमाण पत्र)

प्रधिसूचना

नई विल्हेमी, 24 फरवरी, 1995

सा.का.नि. 98(प्र).—महा पत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38) को बारा 3 की उपधारा (6) के माय पठित उक्त धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा नीसेना प्रभारी अधिकारी, शूरीकोरित को रक्षा सेवाओं (नीसेना) का प्रतिनिधित्व करने के लिये तृतीकोरित पतल के न्यायों द्वारे में नीसेना प्रभारी अधिकारी, मद्रास के स्थान पर एक न्यायी के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार, जल-भूतल परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) की विनायक 31-3-1993 की प्रधिसूचना में सा.का.नि. 355(प्र) में और संशोधन करती है अर्थात् :—

उक्त प्रधिसूचना में क्रम सं. 6 के सामने “नीसेना प्रभारी अधिकारी, मद्रास” शब्दों के स्थान पर “नीसेना प्रभारी अधिकारी तृतीकोरित” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[का. सं. पीटी-18011/2/92-वी टी]
सी.एस. बैरबाल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th February, 1995

G.S.R. 98(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) read with sub-section (6) of the said section, the Central Government hereby appoints Naval Officer-in-Charge, Tuticorin, as a Trustee on the Board of Trustees for the Port of Tuticorin to represent the Defence Services (Navy) vice Naval Officer-in-Charge, Madras and makes the further amendment in the notification of Government of India in the Ministry of Surface Transport (Ports Wing) No. GSR 355(E) dated 31-3-1993, namely :—

In the said notification against serial No. 6, for the words "Naval Officer-in-Charge, Madras", the words "Naval Officer-in-Charge, Tuticorin" shall be substituted.

[F. No. PT-18011|2|92-PT]

C. S. KHAIRWAL, Jr. Secy.